स्टूडेंट्स ने जानी फाइन सिल्क बनने की प्रोसेस

टीएसवीएस के स्टूडेंट्स ने की एजुकेशन विजिट

सिटी रिपोर्टर • द संस्कार वैली स्कूल के कक्षा दसवीं के बोर्डिंग स्टूडेंट्स ने होरेंगावाद जाकर बियोग्राफी फील्ड ट्रिप के जरिए सेलिकल्चर (रेशम उत्पादन) के बारे में जानकारी ली। ट्रिप में स्टूडेंट्स ने सिल्क पैदा करने के तरीके और सिल्क कल्चर्ड करने के तौर-तरीकों को जाना। यह भी जाना कि अलग-अलग तरह के सिल्क प्रजातियों के कीड़ों से पैदा हुए रेशम से तैयार होते हैं। जिससे मलबरी सिल्क, मूगा, ईरा और टसर सिल्क बनता है। वहीं रॉ मटेरियल को फाइन सिल्क में तब्दील होने की प्रोसेस को देखा। यह पूरा एक्सपीरियंस स्टूडेंट्स के लिए काफी रोचक और नॉलेज से भरा था क्योंकि जिन सिल्क क्लोदिंग को वे अपने कलेक्शन में रखते हैं, उसे तैयार होते हुए देखा। विजिट को डॉ. अत्रायी सेनगुप्ता, सोमनाथ गांगुली ने ऑर्गेनाइज किया था।